Directorate of Distance Education

B.R. Ambedkar Bihar University, Muzaffarpur

T.D.C. 3rd Semester Examination 2015 (Session 2014-17)

Hindi (Hons.)Paper-III

Model Paper (चार प्रश्नोत्तर 4x15=60 एवं दो व्याख्याएँ 2x10=20)

०१. निम्नलिखि में से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है:-

(क) हिन्दी कहानी के क्षेत्र में प्रेमचन्द के अवदान का मूल्यांकन कीजिए।

(ख) हिन्दी नाटक के क्षेत्र में भारतेन्दु अथवा प्रसाद के अवदान का मूल्यांकन कीजिए।

(ग) प्रगतिवाद अथवा छायावाद की प्रमुख प्रवृतियों पर प्रकाश डालिए।

(घ) प्रयोगवाद अथवा नपी कविता की प्रमुख प्रवृतियों पर प्रकाश डालिए।

(ड़) हिन्दी निबन्ध अथवा आलोचना का विकास-कम रेखांकित कीजिए।

(च) हिन्दी उपन्यास के क्षेत्र में प्रेमचन्द के अवदान का मूल्यांकन कीजिए।

०२. निम्नलिखित में से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है:-

(क) 'सन्ध्या सुन्दरी' अथवा 'तोड़ती पत्थर' कविता की समीक्षा कीजिए।

(ख) 'ताज' अथवा 'बबूल' कविता की समीक्षा कीजिए।

(ग) 'हिमाद्री तुंग श्रृंग से' अथवा 'यह दीप' कविता का भावार्थ लिखिए।

(घ) 'महादेवी वर्मा' अथवा 'दिनकर' की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ड़) 'भवानी प्रसाद मिश्र' अथवा 'शमशेर' की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

०३. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्याएँ अपेक्षित है:-

(क) बात बोलेगी - हम नहीं,
भेद खोलेगी - बात ही।

(ख) आज असुन्दर लगते सुन्दर,
प्रिय पीड़ित शोषित जन।

(ग) समस्या एक मेरे सभ्य नगरों और ग्रामों में,
सभी मानव सुखी, सुन्दर और शोषण मुक्त कब होंगे।

(घ) यह दीप अकेला स्नेह भरा,
है गर्व भरा मदमाता, पर
इसको भी पंक्ति को दे दो।

(ड़) बिरह का जलजात जीवन, बिरह का जलजात
वेदना में जन्म करूणा में मिला आवास,
अश्रु चुनता दिवस इसका अश्रु गिनती रात
जीवन बिरह का जलजात।

(च) वे हुलसित हैं
अपनी ही फसलों में डूब गये हैं
तुम हुलसित हो
वितकबरी चाँदनियों में खोये हो।

(छ) विजन-वन वल्लरी पर
सोती थी सुहाग भरी स्नेह स्वप्न मग्न।
अमल कोमल तनु तरूणी जुही की कली।

(ज) कंगाल बुद्धि। मजूर घर भर
एक जनता का अमर वर
एकता का स्वर।